



## PET टेस्ट के लिए तैयारिया और भोजन सम्बंधित सूचनाएं

### PET-CT टेस्ट एक दिन पहले

- टेस्ट के २४ घंटे पहले ज्यादा कसरत या मेहनत वाला काम न करे।
- टेस्ट के २४ घंटे पहले ऐसा खाना न खाए जिसमे कार्बोहाइड्रेट और शुगर की मात्रा ज्यादा हो।
- हमारी सलाह है की २-३ लीटर पानी पिए जिससे शरीर में उचित मात्रा में द्रव्य रहे।

### PET-CT के दिन

- अपनी परीक्षा से ६ घंटे पहले आपको कुछ भी खाना या पीना नहीं चाहिए, सिवाय सादा पानी और आपके चिकित्सक द्वारा बताई गई कोई भी दवा।
- हम आपको १ लीटर पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करते हैं ताकि आप अच्छी तरह से हाइड्रेटेड रहें।
- गर्म, ढीले-ढाले, आरामदायक कपड़े पहनें, जिनमें धातु न हो।
- आपको निम्नलिखित रक्तरिपोर्ट लाने की आवश्यकता होगी।  
(अ) एस. क्रिएटिनिन (पिछले १ महीने के भीतर) (ब) एचआईवी, हेपेटाइटिस बी सरफेस एंटीजन

### गर्भवती महिलाओं को क्या करना चाहिए?

PET-CT स्कैन करने की गर्भवती महिलाओं को सलाह नहीं दी जाती है। अगर आपको गर्भवती होने की शंका हो तो डॉक्टर को सूचित करे।

### टेस्ट के २४ घंटे पहले आप क्या नहीं खा सकते ?

ब्रेड, पास्ता, पेस्ट्री, वैफर्स, सीरियल, चावल, आलू, नूडल्स, चीनी, मिठाई, च्युइंग गम, शहद, फल या फलों का रस, शक्कर वाले पेय पदार्थ, दूध, कैफीन युक्त पेय पदार्थ (कॉफी / चाय / एनर्जी ड्रिंक), मादक पेय (शराब), तथा कार्बोहाइड्रेट युक्त सॉस / ग्रेवी / सिरप / चटनी (लेबल अवश्य जाँचें)।

### कृपया नारियल पानी (टेंडर कोकोनट वॉटर) का सेवन बिल्कुल न करें।

आप जाँच के २४ घंटे पहले सामान्य आहार, शाकाहारी आहार, हरी सब्जियाँ, मशरूम, कोबीज खा सकते है।

## PET-CT क्या है?

पॉजिट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी (PET) एक अद्वितीय बिना आपत्तिजनक परीक्षण है। PET छवियाँ कार्यात्मक प्रक्रियाओं को दिखाती हैं, जैसे कि कैंसर की उपायुक्तिक गतिविधि, जबकि CT या MRI के साथ तस्वीर बनाने में शारीरिक गठन का परीक्षण किया जाता है। एकीकृत PET-CT यंत्र एक ही परीक्षा में PET से क्रियात्मक जानकारी और CT से संरचनात्मक जानकारी दोनों प्रदान करता है।

### PET-CT स्कैन कैसे काम करता है?

मरीज को F-18 FDG नामक एक रेडियो ऐक्टिव ट्रेसर का एक इंजेक्शन दिया जाता है। FDG एक प्रकार की शर्करा होती है, जिसका शरीर के सभी कोशिकाएँ उपभोग करती हैं। F-18 एक रेडियो आइसोटोप है जो पोजिट्रॉन के रूप में ऊर्जा उत्पन्न करता है। यह पॉजिट्रॉन कैमरे में कैप्चर होता है और शरीर की थ्रीडी तस्वीर बनाने में इसका उपयोग होता है। इस तरह PET का मतलब पोजिट्रॉन इमिशन टोमोग्राफी होता है।

### यह टेस्ट करने में कितना समय लगता है?

PET-CT Scan टेस्ट करवाने के लिए चार से पांच घंटों का समय लगता है। यह एक विशेष प्रकार का टेस्ट है, इसलिए इसमें एक विशेष प्रकार के रेडियो ट्रेसर का उपयोग किया जाता है।

इसके कारण समय देना बहुत जरूरी है। टेस्ट को रद्द करवाने के लिए, २४ घंटे पहले सूचित करना चाहिए।

## क्या मुझे परीक्षण के लिए अपने कपड़े बदलने की आवश्यकता है?

नहीं। आपको उचित गर्म और सुखद कपड़े पहनने चाहिए, जिनमें ज़िप या मेटल बटन नहीं होना चाहिए। अगर जरूरत पड़ी तो स्कैन से पहले हम आपको गाउन देंगे

## इंजेक्शन के बाद क्या मुझे अलग महसूस होगा?

नहीं। वास्तव में, आप अपनी परीक्षा के तुरंत बाद अपनी सामान्य गतिविधियों को फिर से शुरू कर सकते हैं। यह सिफारिश की जाती है कि आप अपनी परीक्षा के बाद लगभग २४ घंटे तक बच्चों या गर्भवती महिलाओं के साथ करीबी संपर्क से बचें।

### टेस्ट करवाने से पहले दवाई ले सकते हैं?

आप अपने डॉक्टर द्वारा निर्धारित दवाओं को परीक्षा के दिन ले सकते हैं, अगर आपको डायबिटीज हो और आप इन्सुलिन लेते हो तो कृपया अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

### डायबिटीस के मरीजों के लिए सूचना

- कृपया ध्यान रखें कि टेस्ट करने के लिए आपका शुगर लेवल २०० से कम होना चाहिए।
- स्कैन के दिन डायबिटिक दवाएँ या इन्सुलिन इंजेक्शन न लें। अगर आप अगर आपको कोई प्रश्न है तो कृपया हमसे संपर्क करने में झिझक न करें और PET-CT समन्वयक से बात करें।

### टेस्ट करने की प्रक्रिया में क्या-क्या होगा?

तय एपोइंटमेंट के अनुसार जब आप टेस्ट करवाने आएंगे तब आपको रेडियो ट्रेसर का इंजेक्शन दिया जाएगा। इंजेक्शन देने वाली जगह पर हल्का दर्द होगा। रेडियो ट्रेसर आपके शरीर में या जिस भाग का टेस्ट करना है उस भाग में फैल जाए तब तक ४५ से ६० मिनट तक बिना हिले आपको बैठे रहना पड़ेगा। इसके बाद आपको PET-CT कक्ष में ले जाया जायेगा। टेक्नोलॉजिस्ट आपको एग्जामिनेश टेबल पर सुला देंगे। PET स्कैनर, MRI या CT स्कैनर जैसा ही डोनेट के आकर का गोलाकार मशीन होता है। आपको सामान्य रूप से ३० से ४० मिनट तक बिना हिले सोते रहने का बोला जाएगा। इस दरम्यान कैमरा आप के शरीर में रेडियो ट्रेसर द्वारा उत्पन्न की हुई ऊर्जा को रिकॉर्ड करता है। इस प्रकार स्कैनिंग करने में किसी भी प्रकार का दर्द नहीं होता है। स्कैनिंग के दौरान लंबे समय तक एक ही स्थिति में सोये रहने के कारण शरीर जकड सकता है।